वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 259 | शनिवार 14 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# राजस्थान के 6 जिलों में तेज शीतलहर का अलर्ट

## 19 जिलों में कल से चलेगी सर्द हवा, पारा 4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़केगा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सप्ताह भर से तेज ठंड से मिली हुई राहत अब खत्म हो गई है। जयपुर, बीकानेर संभाग में मकर संक्रांति से सर्दी फिर जोर पकड़ेगी। यहां बर्फीली हवा चलने के साथ घना कोहरा छाएगा और तापमान में भी जबर्दस्त गिरावट आएगी। मौसम विभाग ने 14 जनवरी के लिए 6 जिलों में ऑरेंज (तेज शीतलहर) और 13 जिलों में यलो अलर्ट (शीतलहर) जारी किया है। जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- 14 जनवरी से राज्य के अधिकतर भागों में एक बार फिर उत्तरी हवाओं का प्रभाव बढ़ने लगेगा। इससे दिन-रात के टेम्प्रेचर 3-5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इसके अलावा 15 से 17 जनवरी तक तेज शीतलहर का दौर शुरू होगा। वहीं, कहीं-कहीं तापमान जमाव बिंदु पर या उससे नीचे भी जा सकता है।

### मावठ से धोरों में बढ़ी सर्दी

जोधपुर में कल हुई सीजन की पहली मावठ के बाद धोरों में सर्दी तेज हो गई। जैसलमेर में आज न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो एक दिन पहले 10.5 पर था। यहां आज सुबह आसमान में कोहरा भी रहा। हल्की सर्द हवा भी चली। यही स्थिति जोधपुर, बाड़मेर में भी रही। जोधपुर में भी सुबह कोहरा छाया रहा। देर तक धूप नहीं निकली। जोधपुर में आज न्यूनतम तापमान 10.1 और बाड़मेर में 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

### कोहरे से दिन का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस गिरा

गुरुवार को गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर एरिया में कल दिन

में घना कोहरा छाया। कोहरे के साथ ही यहां हल्की सर्द हवा भी चली। इससे यहां दिन का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जैसलमेर में एक दिन पहले दिन का अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस था, जो कल गिरकर 17.4 पर पहुंच गया। इसी तरह गंगानगर में तापमान 20.5 से गिरकर 13.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। बीकानेर में भी टेम्प्रेचर कल 27 से गिरकर 20.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

### इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

मौसम केन्द्र जयपुर ने चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, सीकर और नागौर जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कल तेज शीतलहर चलने के साथ गलन भरी सर्दी पड़ेगी। इसी तरह गंगानगर, अलवर, जयपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

# नेशनल स्टार्टअप डे पर होगा 'राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव'

## राज्य सरकार की नई स्टार्टअप पॉलिसी—2022 पर होगी चर्चा, 25 स्टार्टअप्स को मिलेगी फंडिंग

**जयपुर. कासं**

प्रत्येक वर्ष 16 जनवरी को नेशनल स्टार्टअप डे मनाया जाता है। इस दिन और अधिक खास बनाने के लिए राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आई-स्टार्ट तथा स्टार्टअप चौपाल की ओर से 'राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की संयुक्त निदेशक मुनेष लांबा ने शुक्रवार को

मीडिया को बताया कि झालाना स्थित भामाशाह टेक्नो हब में 16 व 17 जनवरी को यह कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। इसमें न सिर्फ देशभर से, बल्कि यूएई व यूएस के इन्वेस्टर्स भी शामिल होंगे, जिनके समक्ष राजस्थान के उभरते हुए यंग एंटरप्रेन्योर्स की ओर से अपने बिजनेस आइडियाज प्रस्तुत किए जाएंगे। चयनित स्टार्टअप्स को इन्वेस्टर्स की ओर से फंडिंग भी की जाएगी। लांबा ने आगे बताया कि कॉन्क्लेव के समापन पर 17 जनवरी को राजस्थान सरकार की ओर से स्टार्टअप पॉलिसी-2022 पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। स्टार्टअप चौपाल के संस्थापक सुमित ने जानकारी दी कि युवा उद्यमियों को अपने रचनात्मक बिजनेस आइडियाज प्रस्तुत करने का मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस कॉन्क्लेव की रूपरेखा तैयार की गई है। इन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने की दृष्टि से 16 जनवरी को एक पैनल डिस्कशन होगा, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा स्टार्टअप की शुरूआत, चुनौतियों, फंडिंग, पिचिंग सहित कई अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

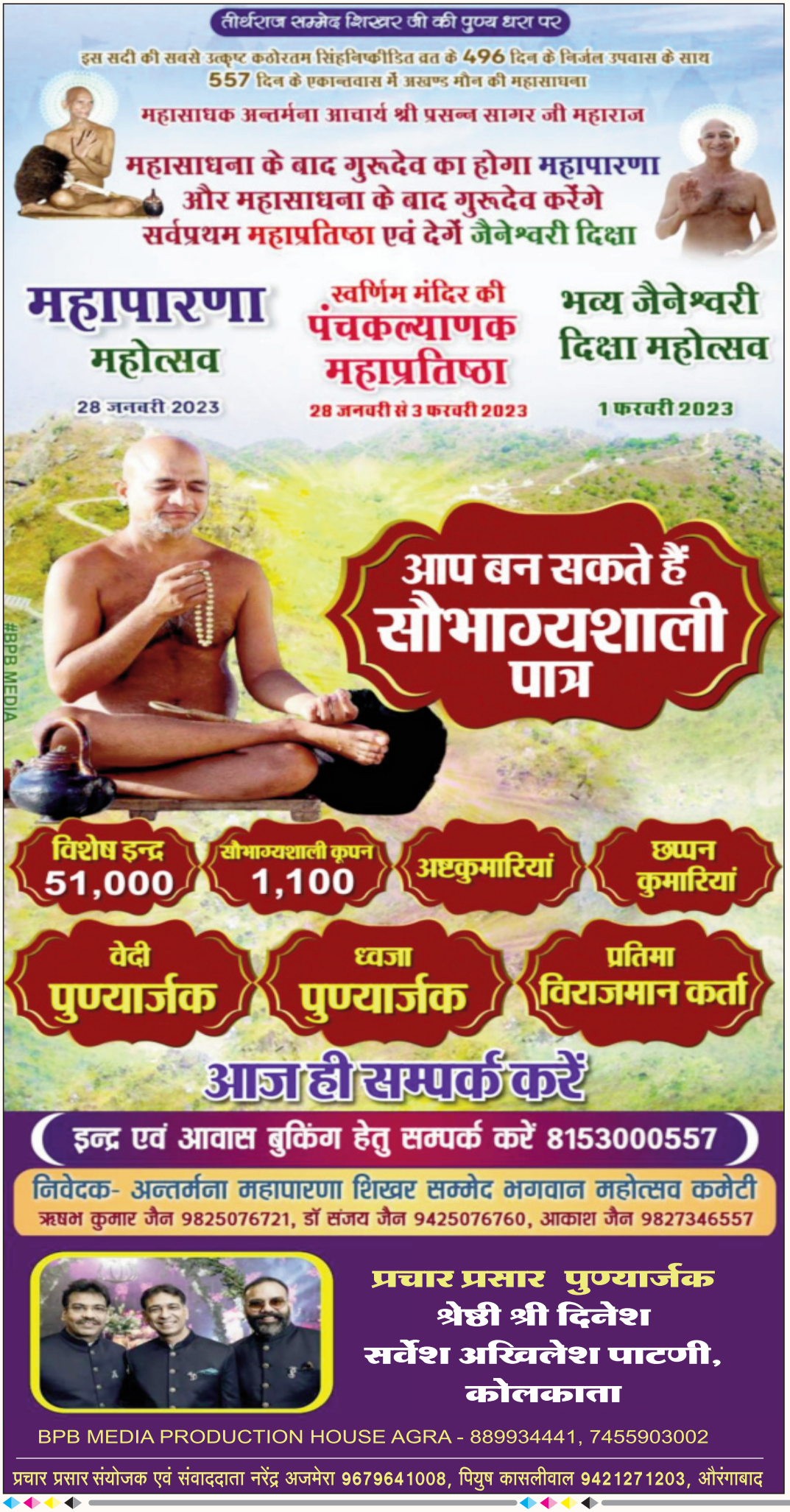



# समाज सेविका श्रीमति निर्मला देवी पाटनी की पुण्य तिथि पर हुए सामाजिक व धार्मिक कार्य

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

समाज सेविका व धर्म परायण महिला श्रीमति निर्मला देवी पाटनी की 8 वीं पुण्य तिथि पर श्रीमति निर्मला देवी पाटनी फाउंडेशन के बैनर तले गुरुवार को कई सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रम हुए। इस मौके पर विद्यार्थियों,मरीजों,नेत्रहीन व कन्याओं को भोजन कराया , इस दौरान सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में श्रीजी की शांतिधारा व संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन हुआ। श्रीमति निर्मला देवी पाटनी फाउंडेशन के अध्यक्ष दीन दयाल जैन पाटनी व सचिव रवि पाटनी ने बताया कि सर्व प्रथम सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में श्रीजी की शांति धारा की गई। इसके बाद आगरा रोड,संगही जी नसियां खानिया स्थित स्मृति वाटिका में णमोकार महामंहामंत्र की जाप किया गया।

## आचार्य सुनीलसागर जी महाराज ने कहा...

# संयुक्त परिवार समाज की शोभा और संतों का बड़ा संघ धर्म की शोभा है

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सांगानेर स्थित संघीजी जैन मंदिर में आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज का समाधि दिवस गुरुवार को मनाया। इस मौके पर आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महारात को विनयांजलि अर्पित करते हुए आचार्यश्री शशांक सागरजी महाराज ने कहा कि आदिसागरजी महाराज से मुनिदीक्षा एवं आचार्य पद प्राप्त करने के पश्चात उन्होने श्रमण परम्परा को जीवन्त किया है। श्रावकों को धर्म के श्रीफल देकर उनके जीवन को मंगलमय बनाया है। इस दौरान आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज ने कहा कि किसी की जिन्दगी पालने में गुजरती है तो कोई पालनहार बनकर औरों के जीवन को भी तार देते हैं।

# सुपर टैलेंटेड शो का हुआ भव्य आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

आरबी क्यू क्लब रॉयल ब्यूटी क्वींस क्लब की तरफ से मिस्टिक फॉल्स होटल गोपालपुरा पर द्वारा सुपर टैलेंटेड शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे राजस्थान पब्लिक ट्रस्ट बोर्ड देव स्थान विभाग राजस्थान सरकार के सदस्य बसंत जैन मुख्य अतिथि थे। हुनर से लबरेज कलाकारों तथा सुपरमॉडल्स ने अपना हुनर दिखाया। इस कार्यक्रम में आधारशिला फाउंडेशन, रामा रिजॉर्ट्स कुर्ती, यंग एंड एज न्यूजपेपर, बेटी फाउंडेशन, पीएस लाउंज, स्नेहा फाउंडेशन, कौशिकी मेकओवर, सुहान फोटोग्राफी, हाईटेक फोटोग्राफी, आदि श्री संस्था, दिवास क्लब, वाईमैक्स एक्सप्रेस सर्विस मुख्य सहयोगी रहे। ओनारिका इमिटेशन ज्वेलरी की सौम्या उपाध्याय, कीर्ति शर्मा का सहयोग रहा। कार्यक्रम में ममता शर्मा, स्नेह लता भारद्वाज, ममता मिश्रा, डॉक्टर शालिनी माथुर, अलका गॉड, मीनू सिंह, जयश्री शर्मा,नीलम सक्सेना गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। भारती सिंह, उर्मिला न्याती, मिस मधु भाट,मिस सूर्यांशी श्रीवास्तव, सुशील श्री, रेखा कुमावत ने अपने संगीत से लोगों का मन मोह लिया। मिस गारवी सिंह ने बहुत ही खूबसूरत नृत्य पेश किया। शिखा शर्मा मिसेज इंडिया इंटरनेशनल ने वॉक करके जलवा बिखेरा, सुपर एक्टर मास्टर रिवल गौतम ने अपने हुनर का जलवा दिखाया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। नीलम सक्सेना ,सारिका जैन, जय श्री शर्मा, कीर्ति शर्मा और कथक नृत्यांगना रिंकू की उपस्थित रहे। सुपरमॉडल्स पूजा परिहार, नीलम सूद,जया मनरल,कल्पना सुमन, नीलिमा पुरोहित, प्राची शर्मा, कंगना सिद्धू, वंदना शर्मा, दीपम शर्मा, आकांक्षा जांगिड़, डॉ अर्चना पुरोहित, दिव्यांशी श्रीवास्तव ,अमृता श्री ,प्राची व्यास ,मनीषा चौधरी, मीनाक्षी पटेल ,यामिनी सैन ,सविता गुप्ता, पहल शर्मा ,शैलजा बंसल , प्रियंका गोयल , ऊषा सिंह ने रैंप वॉक कर जलवे बिखेरे। मुख्य अतिथि बसन्त जैन ने विजातीय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

# सूकून वहां नहीं जहां धन मिले-सूकून वहां है जहां मन मिले... अन्तर्मना 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज

**सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया**

जैन संत अन्तर्मना 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज ने अपनी मौन वाणी से मधुबन की स्थिति को बताया पानी में रहकर मगर से बैर आखिर कब तक?

**सूकून वहाँ नहीं जहाँ धन मिले - सूकून वहाँ है जहाँ मन मिले.. खुद जितना शान्ति से रहोगे, दूसरे को उतना ही शान्ति से जीने दोगे.. इसलिए - जीओ और जीने दो..!**

किसी ने प्रश्न पूछा था - गुरूदेव, घर पर बहुत अशान्ति रहती है, क्या करें-? हमने कहा - कुछ मत करो, आप खुद शान्त हो जाओ, शान्ति आपोआप हो जायेगी। बात इतनी सी थी कि - तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत की स्वच्छता, पवित्रता, धार्मिकता को बरकरार रखने के लिए सरकार से अनुरोध किया था कि इसे पर्यटन स्थल नहीं बनाया जाये। लेकिन छोटी सी बात कहाँ से कहाँ पहुंच गई---? संथाल आदिवासी समाज जो वर्षों वर्षों से पर्वत की सुरक्षा, व्यवस्था और सम्वर्धन में पारसनाथ भगवान एवं मरांग बुरू के प्रति अटूट आस्था विश्वास रखने वाले भक्त सदियों से पर्वत पर आते हैं। दर्शन वन्दन करके अपने भाग्य को सौभाग्य में तब्दील करके उतर जाते हैं।संथाल आदिवासी समाज के बिना जैन तीर्थ यात्री, आधे और अधूरे हैं। क्योंकि यही लोग सम्पूर्ण जैन यात्रियों को पर्वत की वन्दना करवाते हैं और आनंद से नीचे पहुंचा देते हैं। संथाल आदिवासी समाज के सभी लोग इमानदार, समझदार और समर्पित भाव से सभी यात्रियों को वन्दना करवाते हैं। पहली बार जैन समाज के बड़े, बुजुर्ग, माता बहिने, बच्चे बच्चीयां सड़कों पर उतरे -- सिर्फ

तीर्थराज सम्मेदशिखर की पवित्रता, स्वच्छता, संरक्षण के लिए। हम अपनी बात कहें - आपको सुनकर आश्चर्य होगा---? हम 10 महिने से स्वर्ण भद्र कूट पर विराजमान हैं, 24 घन्टे यदि कोई मेरी सेवा, सुरक्षा, व्यवस्था में तत्पर तैयार रहते हैं तो यही लोग। पूरे पर्वत पर एक भी जैन कर्मचारी नहीं है और जो एक दो पुजारी है तो वह सराग जैन जिनको णमोकार मंत्र के अलावा कुछ नहीं आता। जैन समाज कद, पद और अधिकार के लिए करोड़ो रुपए बरबाद कर देगा मगर तीर्थों की व्यवस्थाओं के लिये -- ओ माई गोड ---- 08 जनवरी, 2023 को गिरिडीह जिला प्रशासन, सम्पूर्ण जैन समाज, जनप्रतिनिधि और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों की एक सफल सार्थक बैठक हुई, जिसमें सभी की भावनाओं का सम्मान करते हुये तीर्थराज सम्मेद शिखर पारसनाथ पर्वत पर, जैन समाज और संथाल आदिवासी समाज पहले की तरह धार्मिक, नैतिक, व्यवहारिक रीति रिवाज और परंपरा का पालन करते हुये धार्मिक लाभ में सहभागी बनेंगे '

यहाँ के सभी कर्मचारी एवं आदिवासी समाज का समर्पण, सेवा और अखण्ड विश्वास के कारण ही हमारी माता बहिने कभी भी इनके साथ अकेली डोली हो या बाइक पर वन्दना के लिये निसंकोच, निडर होकर चली जाती है। अन्यथा आज का माहौल किसी पर भरोसा करने जैसा नहीं है। तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत की 27 किलोमीटर की पद यात्रा, इतनी दुर्गम और कठिन है कि अकेले अपने दम पर कर पाना संभव ही ना हो पाता। इसलिए जिन बातों से मन की अशान्ति बढ़े, आपसी रिश्तों में दरार पड़े, मन परेशान हो, वैसा कोई भी कार्य ना करे और ना किसी को करने दे। तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत पर दोनों पक्ष - - एक दूसरे के बिना आधे अधूरे हैं। सन्त, सरिता, सूरज, धर्म और हवा पर कभी किसी एक का, एकाधिकार हो ही नहीं सकता। सबका समान अधिकार है। **सभी तीर्थराज सम्मेद शिखर के अन्ध भक्तों से आत्मीय अपनत्व विश्वास के साथ एक निवेदनः** तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए कोई भी जैन व्यक्ति किसी भी प्रकार की टीका टिप्पणी सोशल मीडिया पर न करें। ध्यान रखें- स्थानीय आदिवासी समाज के साथ सहयोग के बिना आप हम ऐसे ही हैं जैसे धूप में टमाटर, बरसात में पापड़। इसलिए आपस में प्रेम, सदभाव, भाईचारा बना रहे। **इन्हीं अनन्त शुभसंशाओ के साथ सबको आशीर्वाद...**

**संकलन कर्ताः मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा कोडरमा**

## वेद ज्ञान

# हर जगह शांति का अभाव

विश्व में यद्यपि धन का अभाव नहीं है, किंतु शांति का अभाव अवश्य है। धनोपार्जन के लिए इतनी अधिक जनशक्ति को दिग्भ्रमित किया जा रहा है कि सामान्य जनता की रुपए कमाने की क्षमता अधिकाधिक बढ़ गई है, किंतु इसका दीर्घकालीन परिणाम यह हुआ है कि इस अनियंत्रित और अन्यायपूर्ण मुद्रास्फीति से पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है और उसने ऐसे सस्ते धनोपार्जन के फल को ही नष्ट करने के लिए हमें बड़े-बड़े भारी लागत के शस्त्रास्त्र बनाने के लिए उकसाया है। धनोपार्जन करने वाले बड़े देशों के नेता लोग वास्तव में शांति का अनुभव नहीं कर रहे हैं, बल्कि आणविक अस्त्रों के द्वारा आसन्न विनाश से अपनी सुरक्षा की योजनाएं बना रहे हैं। वस्तुतः इन भयंकर अस्त्रों के परीक्षण के रूप में विपुल धन-राशि समुद्र में फेंकी जा रही है। ऐसे परीक्षण न केवल भारी आर्थिक लागत पर किए जा रहे हैं, बल्कि अनेक प्राणियों के जीवन को संकट में डालकर भी हो रहे हैं। इस प्रकार विश्व के राष्ट्र कर्मफल के नियमों से बंधते जा रहे हैं। जब लोग इंद्रियतृप्ति की भावना से प्रेरित होते हैं तो जो भी धन कमाया जाता है वह नष्ट हो जाता है, क्योंकि उसका व्यय मानव जाति के संहार के लिए होता है। इस प्रकार मनुष्य के भगवान से विमुख होने के कारण मानवजाति की शक्ति नष्ट हो जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि श्रीभगवान ही समस्त शक्तियों के स्वामी हैं। धन-संपदा की पूजा होती है उसे भाग्य की देवी या मां लक्ष्मी कहा जाता है। कोई भी मनुष्य भाग्यलक्ष्मी का उपभोग श्रीनारायण की सेवा के बगैर नहीं कर सकता। इसलिए जो व्यक्ति लक्ष्मीजी का गलत उपयोग करना चाहेगा, उसे प्रकृति के नियमों द्वारा दंडित होना पड़ेगा। ये नियम निश्चित करेंगे कि धन-संपदा स्वयं शांति और संपन्नता लाने के बजाय विनाश का कारण बन जाएगी। इसलिए धन के इस्तेमाल के प्रति हमें अपने विवेक का परिचय देना चाहिए और यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि जो भी धन है उसका मानव कल्याण के लिए सदुपयोग हो। अगर धन के इस्तेमाल के प्रति हमारे मन के भीतर भोग की भावना होगी तो उस धन का अपव्यय ही होगा और हमारा अपना आंतरिक नुकसान भी होगा। धन का सदुपयोग ही हमारे भीतर शांति और वास्तविक सुख लाता है।

## संपादकीय

# विवादों और सवालों के हल के लिए बहस और विचार

ब्राजील में कुछ समय पहले हुए चुनावों के बाद अब जो हालात पैदा हो रहे हैं, वे इसलिए चिंताजनक हैं कि विवादों और सवालों के हल के लिए बहस और विचार के बजाय हिंसक प्रतिक्रिया को ही हल की तलाश मान लिया जाता है। रविवार को ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थक आक्रामक तेवर के साथ उत्पात मचाते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट में घुस गए और परिसरों पर कब्जा जमाने की कोशिश करने लगे। गनीमत यह रही कि इस हंगामे का दायरा बढ़ने के पहले ही पुलिस ने सख्ती दिखाई और उपद्रवी तत्त्वों के कब्जे से सरकारी इमारतों को खाली कराया। जाहिर है, इसके बाद बोल्सोनारो और उनके समर्थकों पर ऐसे आरोप लग रहे हैं कि लोकतंत्र में उनकी कोई आस्था नहीं है और वे अराजकता के जरिए फिर से सत्ता में वापसी की साजिश में लगे हैं। हालांकि इस मामले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ना शुरू किया और बोल्सोनारो पर लोकतंत्र को ध्वस्त

करने के आरोप लगने लगे, तब खुद ब्राजील में जनता के एक बड़े हिस्से ने इस हमले के खिलाफ प्रदर्शन और सख्त सजा की मांग करनी शुरू कर दी। फिर बोल्सोनारो ने भी उपद्रव से खुद को अलग करते हुए अराजकता की निंदा की। सवाल है कि आखिर इतनी बड़ी तादाद में लोग जमा होकर मौजूदा चुनी गई सरकार के खिलाफ बगावत पर क्यों उतर गए! गौरतलब है कि ब्राजील में पिछले महीने राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनावों में लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के मुकाबले बोल्सोनारो मामूली अंतर से हार गए थे। मगर बोल्सोनारो और उनके समर्थकों ने चुनाव परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। यह समझना मुश्किल है कि अगर ब्राजील में हुए चुनावों और उसके नतीजों पर कोई राजनीतिक पक्ष सवाल उठा रहा है तो उसके हल के लिए अराजकता का सहारा लेना कितना जायज है। खासतौर पर जिस दौर में दुनिया भर में लोकतंत्र और इसकी जड़ों को मजबूत करने की मांग का दायरा फैल रहा है और एकध्रुवीय राजनीति के पैरोकार भी लोकतंत्र की दुहाई देते नजर आते हैं, वैसे वक्त में विरोध के लिए लोकतांत्रिक तौर-तरीकों की तिलांजलि देने को किस नजरिए से देखा जाएगा? यह बेवजह नहीं है कि ब्राजील में अराजक विरोध प्रदर्शन की तुलना अमेरिका में हुए चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद करीब दो साल पहले उपजी स्थिति से की जा रही है। तब ट्रंप के समर्थकों ने लगभग इसी तर्ज पर कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में दाखिल होकर हिंसा की थी। उस घटना की जांच के बाद ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया गया था। अब ब्राजील में हुए ताजा हंगामे के मामले के तूल पकड़ने के बाद बोल्सोनारो भले अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं, लेकिन यह तय है कि इतनी घटना में उनके रुख की वजह से ही उनके समर्थकों के बीच आक्रोश फैला होगा। यों ब्राजील में पहले भी सरकारी इमारतों पर अराजक हमलों की घटनाएं हो चुकी है। विडंबना यह है कि एक ओर बोल्सोनारो पहले तो लोकतांत्रिक तरीके से हुए चुनावों के परिणामों को कठघरे में खड़ा करते हैं और फिर उनके समर्थन में अराजकता फैलती है तब वही लोकतंत्र की दुहाई देते हुए उसकी निंदा करते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# अव्यवस्था की उड़ान

पिछले एक-डेढ़ हफ्ते में कई भारतीय उड़ानों में मुसाफिरों के अशिष्ट व्यवहार और विमान संचालक दल की लापरवाही के मामले सामने आए। ताजा घटना पटना की है, जिसमें दो यात्री नशे की हालत में पाए गए। वे नशा करके विमान में चढ़े थे और जब पटना हवाई अड्डे पर उनकी सांस जांची गई तो तथ्य सामने आया कि उन्होंने मदिरापान कर रखा था। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। मगर सवाल है कि जब वे नशा करके या कोई नशीला पदार्थ साथ लेकर दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचे, तब वहां के कर्मचारी इस तथ्य की जांच करने से कैसे चूक गए। इसके अलावा, पिछले दिनों दो घटनाएं हुईं, जिनमें मुसाफिरों ने ऐसी अशोभन हरकतें कीं, जिन्हें संचालक दल की सावधानी से रोका जा सकता था। न्यूयार्क से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान में एक यात्री ने एक महिला सहयात्री से नशे की हालत में अभद्र व्यवहार किया। वह हवाई अड्डे से आसानी से निकल भी गया। फिर दिल्ली से गोवा जा रहे गो फर्स्ट के विमान में एक विदेशी सैलानी ने विमान परिचारिका से छेड़छाड़ करने की कोशिश की। एक विचित्र घटना यह सामने आई कि सोमवार को बंगलुरु हवाई अड्डे पर विमानन कंपनी गो फर्स्ट के एक विमान ने करीब पचास यात्रियों के सवार होने से पहले ही दिल्ली के लिए उड़ान भर लिया। इस लापरवाही के लिए अब भले ही कंपनी ने यात्रियों से माफी मांगी है, लेकिन इससे हवाई यात्रा में पसर रही अव्यवस्था का ही पता चलता है। इन घटनाओं के मद्देनजर नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ने नोटिस जारी किया है और सभी विमान सेवाओं को निर्देश जारी किया है कि वे किस तरह मुसाफिरों के साथ पेश आएं, जांच आदि में क्या सावधानियां बरतें। किसी भी विमान में इस तरह की घटना होती है, तो उसे वह पूरी कंपनी बदनाम होती है, इसलिए इन विमान कंपनियों ने निस्संदेह खुद भी कुछ सावधानी बरतने के उपाय किए होंगे। मगर सवाल है कि इस तरह की घटनाओं की नौबत ही क्यों आ रही है। इसकी पहली वजह तो यही है कि प्रतिस्पर्धी कारोबार के चलते तमाम निजी विमानन कंपनियां मुसाफिरों को आकर्षित करने का प्रयास खूब करती हैं और इसमें किराए को लेकर सबसे अधिक बदलाव किए जाते हैं। फिर जिस तरह रेलों और सड़क मार्ग से सफर करने में समय काफी लगता है और उनका किराया भी कम नहीं रह गया है, तब से बहुत सारे लोग हवाई जहाज से चलना सुविधाजनक मानने लगे हैं। निजी विमानन कंपनियों को उड़ान के घंटे और अपने बेड़े में विमानों की संख्या बढ़ाने संबंधी नियमों को भी पहले से काफी लचीला बना दिया गया है, जिसके चलते अब छोटे-छोटे शहरों के लिए भी विमान सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। अब यह तथ्य छिपा नहीं है कि हवाई सेवाओं पर यात्रियों का दबाव तो बढ़ा है, मगर उस अनुपात में विमानन कंपनियों ने अपने संसाधन और सुविधाओं में विस्तार नहीं किया है। पिछले दिनों दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर सामान और मुसाफिरों की जांच में लगने वाले लंबे वक्त को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें आईं। तो संसदीय समिति और उड्डयन मंत्रालय को इस पर सक्रिय होना पड़ा। जाहिर है, इस तरह भीड़ को जल्दी जांच आदि कामों से निपटाने का प्रयास होगा, तो नशा करके या नशीले पदार्थ साथ लेकर चलने वालों को मौका मिलेगा ही।

# असहाय व जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव हेतु कम्बल वितरित किये

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

13 जनवरी को असहाय व जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव हेतु नाटाणियों का रास्ता स्थित श्री हिंदू अनाथ आश्रम की कार्यकारिणी प्रबंध समिति की तरफ से ओढने और बिछाने हेतु कम्बलों का वितरण किया गया। इस मौके पर अनाथ आश्रम के अध्यक्ष बाबूलाल चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष अशोक लुहाडिया, पुष्पेंद्र सैनी, दीपक पारीक, मुकेश पारीक, रमेश जैन गंगवाल आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

# तीर्थंकर ग्रुप द्वारा गोशाला में सेवा कार्यक्रम संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

स्व. श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की अमृत (75) महोत्सव जयंती पर 13 जनवरी को दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के सदस्यों द्वारा दुगार्पुरा गौशाला जयपुर में गायों को हरा चारा, गुड़,केले,गाजर व अन्य सब्जियां ग्रुप के सदस्यों द्वारा खिलाने व मूक पक्षियों को दाना पानी का प्रोग्राम सफलता पूर्वक आयोजित किया गया। 30 सदस्यों द्वारा यह सेवा कार्य डां.एम.एल जैन ''मणि'' के संयोजन में किया गया।विजय चन्द कासलीवाल सचिव ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

# राजस्थान की महिलाओं ने हरियाणा, रेलवे ने सर्विसेज को हरा जीता फेडरेशन कप

## जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेव रहे मुख्यअतिथि

**चन्द्रेश जैन. शाबाश इंडिया**

श्री महावीरजी। कस्बा स्थित खेल मैदान पर चल रही महिला पुरुष हैंडबाल फेडरेशन कप प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबके खेले गए जिसमें पुरूष वर्ग में रेलवे की टीम ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन के बलबूते सर्विसेज की टीम को हराकर चेम्पियन बनी। महिला वर्ग में राजस्थान की महिलाएं हरियाणा पर भारी पड़ी। पुरुष वर्ग में रेलवे ओर महिला वर्ग में राजस्थान ने चेम्पियन बन कर फेडरेशन कप अपने नाम किया। दोपहर में समापन सम्मान समारोह विधिवत तरीके से संपन्न हुआ प्रतियोगिता में महिला पुरूष वर्ग की कुल 17 टीमों के 400 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिसमें 100 अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। आयोजन सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि राजस्थान हैंडबाल एसोसिएशन की मेजबानी में कृपाबाबा हैंडबाल अकादमी के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के हैंडबाल फेडरेशन कप महिला व पुरुष वर्ग प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ ।जिसके समापन समारोह के मुख्य अतिथि जैसलमेर विधायक रूपाराम धनदेव, विशिष्ट अतिथि भारतीय हैंडबाल संघ के अध्यक्ष जगन मोहन राव , कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी प्रबंधकारिणी अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल के सानिध्य में विधिवत तरीके के सम्मान समारोह आयोजित हुआ। महिला वर्ग में तीसरे स्थान पर पंजाब, पुरुष वर्ग में पंजाब और राजस्थान सयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। श्रीमहावीर जी कस्बे में पहली बार आयोजीत फेडरेशन कप में देश भर से 400 सेअधिक खिलाड़ियों 150 से अधिक निर्णायक मंडल के सदस्यों और 100 से अधिक राजस्थान और भारतीय हैंडबाल संघ के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया दोपहर में खिलाड़ियों के बीच समापन समारोह कर मुख्य अतिथि विधायक रूपाराम धनदेव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते कहा कि फेडरेशन कप हैंडबाल प्रतियोगिता का राजस्थान को मेजबान बनकर ऐतिहासिक आयोजन गर्व की बात है।ऐसे कार्यक्रमों से जिले के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ेगा खेलों में रुचि जागृत होगी वर्तमान राजस्थान सरकार खेलों के माध्यम से युवाओं को रोजगार का मौका दे रही है क्षेत्र के लोगों को ऐसे आयोजनों से प्रतिभाओं का पता चलता है सभी लोगों को ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग करना चाहिए कार्यक्रमवकी अध्यक्षता कर रहे सुधांशू कासलीवाल ने कहा की भगवान महावीर की धरती पर राष्ट्रीय आयोजन से निश्चित रूप से क्षेत्र के युवाओं और छात्रछात्राओं को हैंडबाल खेल की जानकारी मिलेगी देश भर से आये खिलाड़ियों को सुनहरे भविष्य की शुभकामनाओ के साथ

प्रतिवर्ष क्षेत्र में बडे आयोजन की अपील की जिस पर भारतीय हैंडबाल संघ के निदेशक आनंदेश्वर पांडे ने घोषणा की की आगामी दिनों में भगवान महावीर के नाम से राष्ट्रीय स्तर का आयोजन किया जाएगा जिनकी प्रबन्धकारिणी कमेटी आयोजन करेंगी। इस मौके पर प्रबंधकारिणी अध्यक्ष सुधांशू कासलीवाल, भारतीय हैंडबाल संघ के अध्यक्ष जगन मोहन राव, निदेशक आनंदेश्वर पांडे, महासचिव डॉ तेजराज सिंह कोषाध्यक्ष विनय कुमार, राजस्थान हैंडबाल संघ के अध्यक्ष हरीश धनदेव , प्रबन्धकारिणी के संयुक्त मंत्री सुभाष जैन सहित हैंडबाल संघ के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे

## इन खिलाड़ियों को मिला व्यक्तिगत सम्मान

34 वी हैंडबाल फेडरेशन कप प्रतियोगिता के महिला वर्ग में वेस्ट प्लेयर का अवार्ड राजस्थान टीम की दीक्षा ओर टूर्नामेंट ऑफ प्लेयर का अवॉर्ड सोनिका हरियाणा को मिला पुरूष वर्ग में बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड देवेंद्र कुमार सर्विसेज ओर टूर्नामेंट ऑफ प्लेयर का अवॉर्ड रेलवे टीम के दिनेश कुमार मिला।सभी को मोमेंटो भेट कर सम्मानित किया।

# तपो मार्तण्ड अंतर्मना की तपस्या एवं विज्ञान

## जिनके गुणो को हम से गाया नहीं जाता। जिनकी साधना का अंदाजा कभी लगाया नहीं जाता जिन की तपस्या का गुणगाण करें तो वैसा करे कि दुनिया में ऐसा अजुबा कहीं पाया नही जाता।

कठिनतम, अकल्पनीय, अद्भूत, अनोखे, अनुठे साधना में दुर्धर उत्कृष्ट सिंहनिषः क्रिडित व्रत करनेवाले प्रसन्नता के सागर तपोमूर्ती अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी के चरणों में श्रध्दा, भक्ती एवं समर्पण के पुष्प अर्पन करता हुं। जैसे जैन तीर्थकरो ने तप के पथपर चलकर ही निर्वाण को प्राप्त किया था, तपस्वी सम्राटों तीर्थंकर वर्धमान ने बारह वर्ष की साधना में ग्यारह वर्ष उपवास रखे थे, और तप के प्रभाव से परमज्ञान, केवलज्ञान प्राप्त कर निर्वाण को प्राप्त हुए थे वैसे ही आचार्य श्री सिंहनिषः क्रिडित महासाधना में तपकर मोक्षमार्ग प्रशस्त कर रहे है। उनके इस साधनामयी जीवन को शब्दो की परिधी में बांधना तो असंभव है। वह कल्पनातीत, वर्णनातीत, तकार्तीत, शब्दातीत है क्योंकि इस उत्कृष्ट तप में 557 दिन अखंण्ड मौन रहकर 496 उपवास कर रहे है, मात्र 61 बार आहार लेंगे। भगवान महावीर के पश्चात इस पंचमकाल में मात्र आचार्य श्री ही ऐसी चर्या कर रहे है , जो जैन इतिहास में स्वर्णांकित होगा। प्रकृति और विज्ञान की दृष्टि से, तथा आध्यात्मिक, पौराणिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से आचार्य श्री आज के भौतिकवादी एवं सुविधावादी पंचमकाल मे चतुर्थकालीन साधना जैसा तप ओवैसी साधना कर रहे हैं? विषेशज्ञो की दृष्टि से संतुलीत भोजन जीवन अस्तित्व के लिए बहुत आवश्यक है। चिकित्सकीय रूप से अधिकांश डॉक्टर इस बात से सहमत है कि बिना भोजन मनुष्य आठ सप्ताह तक जीवित रह सकता है। लेकिन कुछ लोग बिना अनाज और पानी के अनेक वर्षो तक जीवित रहते है जो एक चमत्कार है जिसे ''ब्रेथरियनिज्म'' नाम दिया है जो प्राणतत्व पर आधारित है। आर्युवेद के अनुसार हमें प्राणतत्व सूर्य की किरणो से प्राप्त होता है। यहाँ अन्य प्राकृतिक एवं मानवीय पदार्थो की आवश्यकता नहीं पड़ती। हमारे आचार्य श्री जेठ माह की कडी धूप में, भरी दुपहरी को सामायिक कर इससे प्राणतत्व की उर्जा को संग्रह कर लेते हैं। शरीर जीवित रहने और काम करने के लिए वसा, काबोर्हायड्रेड और प्रोटीन के रूप में आवश्यक ऊर्जा का भण्डार इकठ्ठा करता है। शरीर करीबन 67 प्रतिशत पानी से बना होता है जो हमारे जोड़ों के लिए ल्यूब्रीकंट का काम करता है। हमारे शरीर के तापमान को पसीने के जरिये मौसम के अनुसार ठीक रखता है और टॉक्सिक तत्व भी बाहर निकालता है। ध्यान में जाने से आदमी भुख प्यास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को भूला देता है। क्योकि जब शरीर सक्रिय रहता है तो उर्जा की अधिक और शांतचित्त अवस्था मे कम खपत होती है। शरीर 20 प्रतिशत ऊर्जा की खपत हमारे दिमाग में करता है। जब हम दिमाग को शांत रखते है तो ऊर्जा की गैर जरूरी खपत नही होती। शारिरिक , मानसिक रूप से ऊर्जा के लिहाज से अगर मन को घर्षण से मुक्त रखते है तो मेटाबालिजम गिर जायगा और बडी कुशलता से हम काम कर सकते है। ध्यान की सचेतन अवस्था में हमे शरीर का कोई एहसास नही रहता और यही स्थिति योगी की तपस्या में रहती है। केवल मूँह से ही शरीर में पानी नहीं जाता। शरीर कई तरीको से पानी ग्रहण करता है और ऊर्जा का संग्रह करता है। विज्ञान भी कहता है कि हर कहीं पर्याप्त ऊर्जा मौजुद है। वह योग से भी संभव है। योग के सहारे कई महीनो तक बिना कुछ खाये पिये वह रह सकता है। चतुर्थ कालिन ऋषि मुनि अनेक वर्षो तक जीवित रहते थे क्योकि वे आहार एवं जल पर विशेष ध्यान देते थे। योग का अर्थ ही है कि हम अपने व्यक्तिगत अस्तित्व को मिटा रहे है। इसे ही शुन्य भाव कहते हैं जिसके जीवन में चित्त की स्वतंत्रता, चित्त की सरलता और चित्त की शुन्यता ऐसे रत्नो को जगह मिल जाती है उसका ही नाम समाधि है और यही सत्य का मार्ग है। यही वास्तविक धर्म है। जिससे परमात्मा प्राप्त होता है और वीतरागता प्राप्त होती है। आचार्य श्री ने शिखरजी की पहाडी पर प्रकृति के निकट घण्टो योग और ध्यानमग्न रहकर परमात्मा को पाने का सफल प्रयास किया। कहते हैं जिन्दगी जीना आसान नहीं होता - बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता। जब-तक न पडे चोट हतोडे की पत्थर भी भगवान नही होता। निराहार रहकर लंबे समय तक जीवित और जवान रहा जा सकता है जिसके प्रमाण योग और अध्यात्म शास्त्र में मिलते है। जिसकी विज्ञान भी पुष्ठी करता है। उसके लिए आहार सीमित, समय पर सादा और अनुत्तेजक हो, साथ ही भूख से कम मात्रा मे हो। आचार्य प्रसन्न सागर जी आपने प्रवचन में हमेशा कहते भी है कि कम खाकर मरने वालो की संख्या ज्यादा खाने वाले से कम है। उपवास शारिरिक एवं मानसिक संतुलन एवं शुध्दी हेतू रखे जाते है। धर्म शास्त्र का मानना है कि उपवास से मनुष्य तामसिक व राजसिक आहार के मोह से दूर रहता है और प्रोटीन युक्त सात्विक आहार लेने से मन एवं विचारों की शुध्दी होती है। उपवास से चयापचय क्रिया अच्छा कार्य करती है। और पुरानी पेशिया व मेदयुक्त शरीर के बाहर होते है। वैदीक शोधानुसार उपवास में जल व आहार दोनो पर नियंत्रण रखा जाता है जिससे साधको की आत्मोन्नती होती है। सांसरिक दृष्टि से और आत्मिक दृष्टि से भी मौन एक महत्वपूर्ण साधन है। जो चित्तवृतियों को बिखरने से बचाता है। और सुख शांति प्राप्त होता है। आत्मिक ऊर्जा का संचय मन का सत्परिणाम होता है। मौन साधना करने से संसार से सम्बन्ध छुट जाता है। पुज्य पाद स्वामीने कहा है साधक मौन साधना बहिर ख्याति के लिए नही आत्मानुभूती की सिध्दि के लिए करते है , जगत से मिलने के लिए नही अपितु जगत पृथक करने के लिए, अपने आत्मा के आत्मा से मिलने के लिए नही अपितु परमात्मा प्राप्ती के लिए करते है। और अन्त में मौन साधक केवल ज्ञान को प्राप्त करता है। ''**मौनम् सर्वार्थ साधनम**'' इसलिए आचार्य श्री एकान्त स्थान पर रहकर मौन साधना करते है। इतनी कठिन साधना में भी आचार्य श्री शिखरजी के पहाड पर आठ माह रहकर तपस्या की क्योकि कोलाहल के वातावरण में हम दो शब्द भी ठीक से सुन नही पाते किन्तु नि स्तब्ध वातावरण में दूर दूर की ध्वनी भी आसानी से सुनी जा सकती है। उसी प्रकार अशान्त, उद्विग्न मन अंतरात्मा की आवज नही सुन पाता । दिव्य लोको से हमारे लिए जो दिव्य आध्यात्मिक संदेश आते है उन्हे सुनने के लिए हमें एकान्त और मौन में रहने की आवश्यकता है। आत्मा के प्रति परमात्मा की जो संदेश ध्वनियां है उन्हे मन और वाणी से एकान्त में मौन रहकर ही सुना जा सकता है। यह एक ''**दैवी रेडियो**'' है। परमात्मा की ध्वनी लहरों की तंरगे तथा वाय-फाय इतना हाय-फाय है कि अंतर्मन से उनके ध्यान का बटन दबाओ वे आपसे रूबरू हो जाएंगे , क्योंकि उनका नेटवर्क सर्वत्र फैला हुआ है। मौन रहकर, अंतमुर्खी होकर ही साधक परमात्मा के प्रकाश को ग्रहण कर सकता है। परमात्मा कोई व्यक्ति नही या कोई आकाश मे बैठी वस्तु नही। वह तो समस्त में बैठे चेतना का नाम है। चेतना को देखा नहीं जा सकता। उसमें लीन हुआ जा सकता है। चेतना तो रहस्य के अनुभूती में अनुभव किया जा सकता है। क्योंकि परमात्मा को देखा नही जाता वह स्वयं तुम्हे देखता है। वह तुम्हारे भीतर द्दष्टा की तरह है जो व्यक्ति धर्म से युक्त होता है वह अन्तस्थल मे स्वस्थ एवं शांत होता है तो वह परमात्मा से जूड जाता है और, उसकी आत्मा परमात्मा में प्रविष्ठ हो जाती है। मनुष्य के भीतर सुक्ष्म द्दष्टी की संवेदना सक्रिय हो जाना ही ईश्वर के होने का अनुभव है। और ऐसा ही गुरूदेव शिखर जी के पहाड पर शांत चित से रहकर परमात्मा से प्रतिदिन रूबरू होते थे। इसलिए ईश्वर नाम के सकीर्तन मात्र से वह पुण्य प्राप्ती कर भवसागर से तर सकता है क्योंकि भगवान नाम जप की महिमा अनंत है। इसिलिए आचार्य श्री घण्टो भगवान का नाम स्मरण से तपस्या करकर अपने संकल्प को साकार कर रहे है। तप साधना से निखरा व्यक्ति देवोपम सिध्दपुरूष कहलाने का अधिकारी है। अध्यात्म क्षेत्र मे तप का सर्वाधिक महत्व है जो एक आत्मा को समग्र रूपसे जानलेता है वह पूरे ब्रहमाण्ड को जान लेता है और आचार्य श्री अपने तपश्चर्या से सिध्द कर दिखाया कि ''**विज्ञान सर्वोपरि नही धर्म सर्वोपरी**'' है। क्यो कि इस दुर्धर तपश्चर्या के कारण आपका शरीर क्षीण हो गया फिर भी आपके मुखमंडल पर एक अदभूत आत्म तेज है। जैसे अग्नि से जिस प्रकार स्वर्ण की विशिष्ट दिप्ती गोचर होती है वैसे ही तपोग्नि में तपाया गया आपका शरीर तेजपूर्ण दिखता है। यह एक गौरवमयी महान साधना है। जिसे हम दुनिया का एक अजूबा ही कहेंगे। कहते है ''**जिन्दगी की हर तपश को मुस्कुरा कर झेलिए। धूप कितनी भी तेज हो समंदर सुखा नहीं सकती**''। व्रत उपवास करना, धूपआतप सहना, नंगे पाव चलना, कठोर आसन बैठना, कम सोना, मौन में रहना, इसे करने वाले को तपस्वी कहते है। ऐसी तपस्या देखकर आज के कलीयुग में दिगम्बर मुनि के स्वभाव के विषय में चित्त शंकित हो जाता है वहाँ इतनी महान अद्भूत अविश्वसनीय तपश्चर्या पूर्ण सावधानी और अप्रमत्त स्थिति का रहना इस बात का द्योतक है कि आचार्य श्री की आत्मा कितनी उच्च है। ऐसे तपस्वी को लक्ष्य करके ही आचार्य कुदकुंद स्वामी ने आज भी ऐसे रत्नत्रय धारियोंके लोकान्तिक देव इंद्ररूप में उत्पन्न होने की बात लिखी है। जहाँ से चलकर जीव नियमत : निर्वाण को प्राप्त करता है। ''**तिलोय पण्णति**'' ग्रंथ में लिखा है संयम, समिती ध्यान एवं समाधि के विषय में जो निरंतर श्रम करते है तथा तीव्र तपश्चर्या करते है वे श्रमण लोकान्तिक होते है और जो देह के विषय मे निरपेक्ष, निध्दिन्द निरारंभ और निरवंद्य है वे ही श्रमण ''लोकन्तिक'' है। ऐसे धार्मिक आस्थाओं को जोडने वाले महायोगी, जनजन को उन्मार्ग से सन्मार्ग बतलाने लाने वाले श्रेष्ट सन्यासी, अध्यात्मपंथी, आत्मा के सच्चे उपासक ''आत्मान्वेषी'', जगत के प्राणी मात्र को अहिंसा, क्षमा, करूणा, समता का सद्बोध देनेवाले ''भगवान महावीर'' के ''लद्युनंदन'', धरती के चलते फिरते निर्ग्रन्थ देवता के दुर्धर तपस्या के अवसर पर मैं विनंयाजली अर्पण करते हुए भावना भाता हुं कि उनकी यह तपस्या का फल उन्हे ऋध्दि सिध्दि की प्राप्ती होकर मोक्षकी प्राप्ती हो । हमारे जीवन को ज्योति मंय बनाने में सार्थक सिध्द हो और अगली भव में वे तीर्थकर के रूप में अवतरित हो ।

आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

**सकंलनः** महावीर दीपचंद बोले, नरेंद्र अजमेरा ,पियुष कासलीवाल,औरंगाबाद (महाराष्ट्र) ।

# दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक-जयपुर द्वारा स्टेशनरी वितरित की गई

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष ''जैन रत्न'' स्वर्गीय श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल की 75 वीं जन्म जयंती के अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक, जयपुर द्वारा सामाजिक सरोकार का कार्यक्रम के तहत दिनांक 13 जनवरी 2023 को अपरान्ह 2 बजे राजवंश पब्लिक स्कूल बरकत नगर जयपुर के छात्रों को पुस्तक, पुस्तिका, पेन, आदि सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सम्यक ग्रुप के संरक्षक महावीर-शकुन्तला बिंदायका, अध्यक्ष महावीर- लक्ष्मी बोहरा, सचिव डॉ इन्द्र कुमार-स्नेह जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह, महेन्द्र-ममता पाटनी, राजवंश पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती सीता चौहान, प्रिंसिपल नवल जैन, सचिव अनिमेष चौहान तथा अन्य शिक्षक उपस्थित रहे ।

## महावीर इंटरनेशनल के 29वे अधिवेशन के लिए मीटिंग

**कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया**

सबको प्यार, सबकी सेवा, जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी की आवश्यक मीटिंग संस्था के वीर अशोक कुमार गोयल अजमेर की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

वीर पदमचन्द जैन अजमेर ने आगाज 2023 में संस्था के 29 वे अंतराष्ट्रीय अधिवेशन डायमंड, वस्त्र नगरी सुरत के ग्रीन पैराडाइज में दिनांक 18/19 फरवरी को आयोजित होने वाले में, ज्यादा ज्यादा संख्या में वीर वीरा युवा को चलने हेतु निवेदन किया। मिटिग में जोन कोषाध्यक्ष वीर सुभाष पहाड़िया, अध्यक्ष वीर कैलाश पांड्या, उपाध्यक्ष वीर सुरेश कुमार गौड, सचिव वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेशकुमार जैन, वीरा अध्यक्षा सरोज पाटनी, सचिव कविता अग्रवाल, युवा अध्यक्ष वीर आनन्द सेठी, कोषाध्यक्ष वीर संदीप जैन, कार्यालय प्रभारी वीर अशोक अजमेरा ने भाग लिया । सभी ने आगंतुकों का स्वागत किया। सभी ने अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में आने का आश्वासन दिया। संस्था कि मनोनयन समिति द्वारा आज ही वीर अशोक कुमार जी गोयल अजमेर का एपेक्स अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु अनुशंसा होने पर उपस्थित सभी ने बधाई देकर शुभकामनाए दी।
**-वीर रामावतार गोयल**

## गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा गो सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

13 जनवरी को स्व. श्री प्रदीप कुमार जी कासलीवाल की अमृत (75) महोत्सव जयंती पर दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप के सदस्यों द्वारा गौशाला दुर्गापुरा में गायों को हरा चारा, गुड़ एवं आटे की रोटियां खिलाई गई। इस अवसर पर सुनील - सुमन बज, विनोद - सुशीला बड़जात्या, महेंद्र - संतोष पाटोदी, महावीर पांड्या, कैलाश पाटनी, चेतन जैन, प्रवीण सेठी, राजेन्द्र छारेडा, अजय जैन, श्रीमती आभा जैन ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने मे सहयोग किया।

## संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा कैंसर पीड़ित मरीजों को फल बिस्किट आदि वितरित किये

### संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा कैंसर पीड़ित मरीजों को फल बिस्किट आदि वितरित किये

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** 13 जनवरी को स्व. श्री प्रदीप कुमार जी कासलीवाल की अमृत (75) महोत्सव जयंती पर दिगम्बर जैन सोशल संगिनी फॉरएवर ग्रुप के सदस्यों द्वारा भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल में रोगियों को बिस्किट फल एवं परिजनों को तिल के लड्डू और आवश्यकतानुसार अन्य सामग्री वितरित करने का कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका सचिव सुनीता गंगवाल सहित बबीता, मधु, रानी, सुलोचना, शीला, सीमा, सुमन, लक्ष्मी आदि सदस्यों ने उपस्थित होकर सहयोग किया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं रीजन सचिव निर्मल संघी की भी इस अवसर पर गौरवमय उपस्थिति रही।कैंसर अस्पताल में अनिला कोठारी के द्वारा अब कैंसर का उपचार आपके द्वार घर घर जाकर चलाने की इस मुहिम के बारे में सब को अवगत कराया एवं राजेश बडजात्या और शकुंतला बिंदायका ने उन्हें आवश्यकतानुसार पूर्ण रूप से सहयोग देने के लिए कहा। फेडरेशन द्वारा उज्जैन में घोषित सर्वश्रेष्ठ सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल का मोमेंटो कार्यक्रम मे रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने उनको भेंट किया। अंत में अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने सभी सदस्यों का इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया ।

# सन्मति ग्रुप द्वारा तिल के लड्डुओं का वितरण किया गरीब व मजदूर वर्ग को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सेवा को समर्पित दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष ''जैन रत्न स्वर्गीय श्री प्रदीप सिंह कासलीवाल'' के 75 वे जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार 13 जनवरी को प्रातः 10 बजे से झालाना कच्ची बस्ती, जी टी पुलिया के नीचे स्थित रैन बसेरा में, गोपाल पुरा पुलिया आदि अनेक स्थानों पर गरीब व जरुरतमंदो को मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर 30 किलो तिल के लड्डू वितरित किये गये। यह सेवा कार्य ग्रुप के सचिव अनिल - निशा संघी के सहयोग से श्रीमती निशा संघी के जन्मदिन ( 14 जनवरी ) के शुभ अवसर पर किया गया। सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन जयपुर अध्यक्ष राजेश बडजात्या व रीजन सचिव निर्मल संघी, सन्मति ग्रुप सचिव अनिल - निशा संघी, सगठन सचिव राजेश छाबड़ा, रेणु संघी आदि ने भी उपस्थित होकर पुण्य के इस कार्य मे सहयोग किया ।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर द्वारा

# सर्द रात्रि मे गरीबों को रजाईयां ओढ़ाने का महान कार्य किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। 12 जनवरी को सर्द रात्रि के 11.30 बजे से महावीर इंटरनेशनल एसोसियेशन के अध्यक्ष वीर सुभाष गोलेछा एवं मंत्री वीर इन्जी पी सी छाबड़ा ने गरीबों को रजाईयां वितरित की। मोती डूंगरी रोड होते हुए जेके लोन अस्पताल जैन धर्म शाला के पास, जे के लोन अस्पताल में जो भी जरूरतमंद व गरीब इस सर्द रात्रि मे बिना रजाई या कम्बल ओडे हुए सोया मिला उन सबको रजाईयां ओढ़ाई। जेके लोन अस्पताल मे आने वाले मरीजों के परिजनों को भी रजाईयां वितरित की गई। रजाई वितरण मे महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन के दयानंद शर्मा ने भी सहायता की।

# इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने धूमधाम से मनाया इनरव्हील दिवस

## एक्जक्युटिव मीटिंग भी हुई सम्पन्न

**आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया**

**कोटा।** इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा क्लब की आई पी पी गुरप्रीत आनंद के घर पर इनरव्हील डे को धूमधाम से सेलीब्रेट किया गया। क्लब अध्यक्ष श्रीमति शिखा अग्रवाल ने बताया कि सेलिब्रेशन से पहले एग्जीक्यूटिव मेंबर्स की मीटिंग भी सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मीटिंग के बाद अन्य सभी सदस्यों के साथ उत्सव का आरंभ इनरव्हील प्रार्थना से किया गया। और क्लब चार्टर मेंबर्स द्वारा केक काटकर इनरव्हील डे मनाया गया। लोहड़ी व मकर सक्रांति के आने वाले पर्वों की थीम पर क्लब आई एस ओ द्वारा गेम्स खिलाए गए और पुरस्कार दिए गए। क्लब सदस्यों को उनके जन्मदिन

की शुभकामनाएं देते हुए प्लांट्स भी दिए गए। इनरव्हील क्वीन नीता सिंह गौड़ चुनी गई। वैल ड्रेस्ड और बेस्ट डांस के पुरस्कार भी बांटे गए। कार्यक्रम में चार्टर प्रेसीडेंट शशि सक्सेना ने स्वरचित हास्य कविताओं से सबका मन मोह लिया। ढोल पर सभी ने उल्लासित होकर नृत्य किया।

सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका को फोर्टी उपाध्यक्ष व वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला ने सन्मति ग्रुप के पुनः अध्यक्ष बनने पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।